समाज शास्त्र

बी०ए० II

बुजुर्गों की समस्याएँ –

वर्तमान भारत की एक प्रमुख समस्या 'बुजुर्गों की समस्या (Problem of Elderly) प्रत्येक जीवित व्यक्ति स्थिति को प्राप्त करता है। बचपना किशोरावस्था, युवावस्था प्रौढावस्था के बाद वृद्धावस्था का आना तय है। इस अवस्था में व्यक्ति शारीरिक मानसिक व आर्थिक रूप से कमजोर हो जाता है।

बुजुर्गों की प्रमुख समस्याएँ

भारतीय समाज के बुजुर्गों की प्रमुख समस्याए है,

स्वास्थ्य की पारिवारीक उपेक्षा की, आर्थिक असुरक्षा, अकेलेपन की व मानसीकता का आदि – आदि सभी बुजुर्गों की समस्या एक समान नही है, जैसे – नौकरीहार बुजुर्गों की उन बुजुर्गों से भिन्न है। जिन परिवारो में वृद्धजन पारिवारिक कार्यों – बच्चो की देख रेख आदि – में सहयोगी बनते है।

उपेक्षा की समस्या – बुजुर्गों की सर्वाधिक

PAGE NO.: ____
DATE: / /

प्रमुख समस्या उपेक्षा की है अधिकांश परिवारो के बुजुर्गों अपने को उपेक्षित महसूस करते है उनकी बातो का अनसुनी करना उनके विचारो को महत्व पूर्ण न मानना आज के भौतिक वादी युग में युवा एवं युवतियों के द्वारा घर में बुजुर्गों का अपमान आम बात बन चुकी है।

मानसिक असुरक्षा की समस्या –

बुजुर्गों की प्रमुख समस्या मानसिक रूप से असुरक्षित होते है। परिवार के अन्य सदस्य अपने – अपने कार्यों के सन्दर्भ में बुजुर्गों को घर छोड़कर बाहर चले जाते है। कुछ खास परिवारो में बुजुर्गों की देखभाल के लिए नौकर की व्यवस्था की जाती है ये नौकर यदा – कदा बुजुर्गों की हत्या कर सम्पत्ति लूटकर चल बनते है।

अकेलेपन की समस्या – बुजुर्गों की एक प्रमुख समस्या अकेलेपन है भारत में जैसे- जैसे पाश्चिमीकरण

आधुनिकीकरण, औद्योगीकरण व नगरीकरण का विकास हुआ वैसे-वैसे बुजुर्ग अकेले होते चले गये।

4- स्वास्थ्य की समस्या — वृद्धजनो की एक प्रमुख समस्या स्वास्थ्य से जुड़ी इस अवस्था में आँख नाक कान व पाचन क्रिया से सम्बन्धित अनेक बीमारिया आम तौर अधिक रोग की बात तो अलग ही है। जहाँ आर्थिक अभाव नही है।

मनोरंजन की समस्या — वृद्धजनो की एक सामान्य समस्या मनोरंजन की आज अधिकांश परिवारो के बुजुर्ग घर में कैद है। पहले परिवार पड़ोस मित्र-मण्डली मनोरजन के साथ पारिवारिक उत्सव व धर्म से जुड़े क्रियाकलाप मनोरजन के साधन थे। फिर पड़ोस या मित्रमण्डली में समय बीत जाता था गाँव में थोड़ा बहुत मनोरजन हो भी जाता है। नगर में बिलकुल नही। पड़ोस व मित्रमण्डली इनको पूरा करने में सक्षम नही है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया